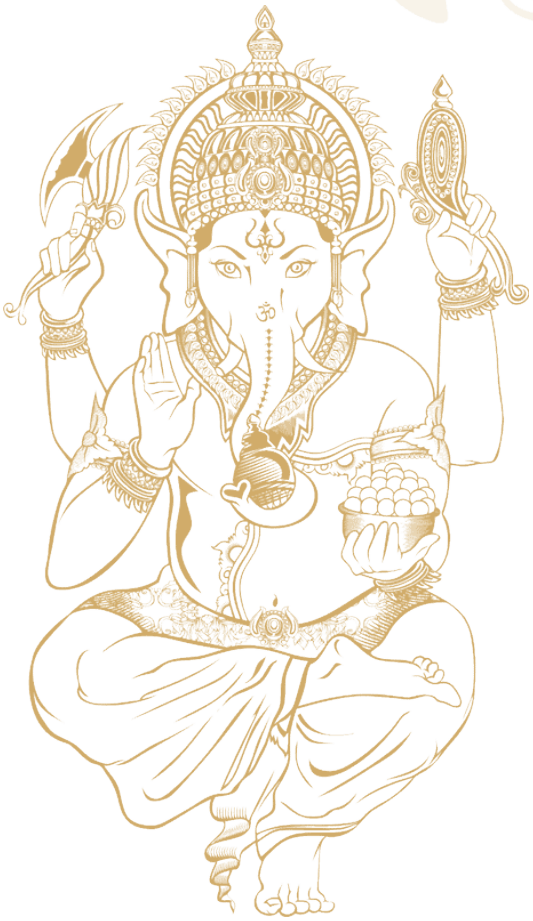

Ms.

24 Nov 1978

01:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121749902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/11/1978**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:45:00 घंटे**
इष्ट	17:15:32 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:25 घंटे
साम्पातिक काल	17:35:37 घंटे
सूर्योदय	06:50:47 घंटे
सूर्यास्त	17:24:35 घंटे
दिनमान	10:33:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:07:50 वृश्चिक
लग्न के अंश	27:44:55 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:44:55	512:27:10	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	08:07:50	01:00:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	24:09:14	12:12:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	22:40:54	00:44:23	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	27:52:47	00:14:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	15:29:40	00:00:18	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र	व		तुला	14:08:19	00:10:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	19:31:50	00:03:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु			कन्या	00:44:40	00:00:25	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	00:44:40	00:00:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	24:04:49	00:03:40	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
नेप			वृश्चि	23:52:09	00:02:12	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
प्लूटो			कन्या	24:41:31	00:01:52	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			धनु	00:50:31	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:41

लग्न-चलित

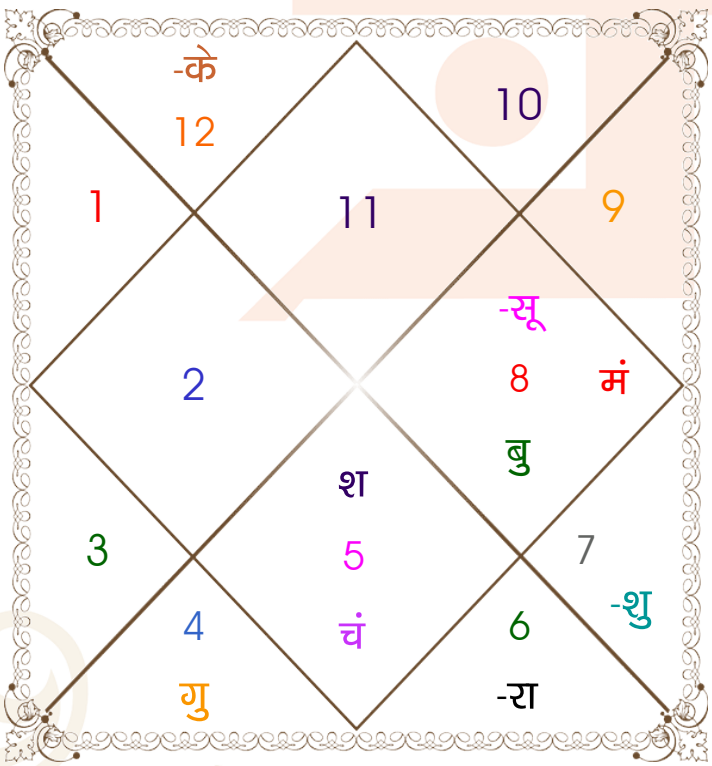

चन्द्र कुंडली

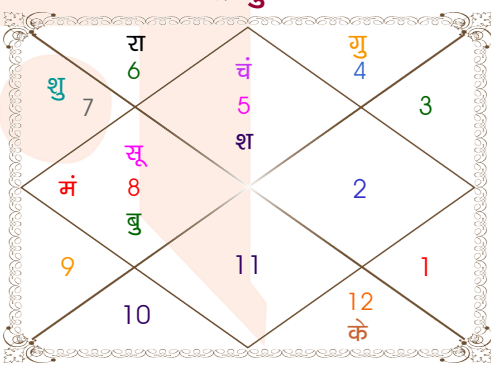

नवमांश कुंडली

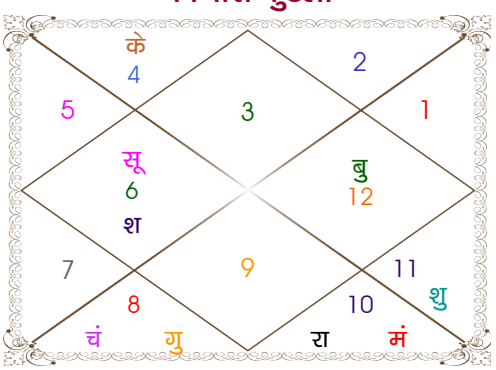

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 9 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/11/1978		01/09/1982		31/08/1988		01/09/1998		01/09/2005	
01/09/1982		31/08/1988		01/09/1998		01/09/2005		01/09/2023	
	00/00/0000	सूर्य	19/12/1982	चंद्र	02/07/1989	मंगल	28/01/1999	राहु	14/05/2008
	00/00/0000	चंद्र	20/06/1983	मंगल	31/01/1990	राहु	15/02/2000	गुरु	07/10/2010
	00/00/0000	मंगल	26/10/1983	राहु	02/08/1991	गुरु	21/01/2001	शनि	13/08/2013
	00/00/0000	राहु	19/09/1984	गुरु	01/12/1992	शनि	02/03/2002	बुध	02/03/2016
	00/00/0000	गुरु	08/07/1985	शनि	02/07/1994	बुध	27/02/2003	केतु	20/03/2017
	00/00/0000	शनि	20/06/1986	बुध	01/12/1995	केतु	27/07/2003	शुक्र	20/03/2020
	24/11/1978	बुध	26/04/1987	केतु	01/07/1996	शुक्र	25/09/2004	सूर्य	12/02/2021
बुध	02/07/1981	केतु	01/09/1987	शुक्र	02/03/1998	सूर्य	30/01/2005	चंद्र	14/08/2022
केतु	01/09/1982	शुक्र	31/08/1988	सूर्य	01/09/1998	चंद्र	01/09/2005	मंगल	01/09/2023

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/09/2023		01/09/2039		01/09/2058		01/09/2075		01/09/2082	
01/09/2039		01/09/2058		01/09/2075		01/09/2082		00/00/0000	
गुरु	19/10/2025	शनि	04/09/2042	बुध	27/01/2061	केतु	28/01/2076	शुक्र	31/12/2085
शनि	02/05/2028	बुध	14/05/2045	केतु	25/01/2062	शुक्र	29/03/2077	सूर्य	01/01/2087
बुध	07/08/2030	केतु	23/06/2046	शुक्र	25/11/2064	सूर्य	04/08/2077	चंद्र	31/08/2088
केतु	14/07/2031	शुक्र	22/08/2049	सूर्य	01/10/2065	चंद्र	05/03/2078	मंगल	31/10/2089
शुक्र	14/03/2034	सूर्य	04/08/2050	चंद्र	02/03/2067	मंगल	01/08/2078	राहु	31/10/2092
सूर्य	01/01/2035	चंद्र	05/03/2052	मंगल	28/02/2068	राहु	20/08/2079	गुरु	02/07/2095
चंद्र	02/05/2036	मंगल	14/04/2053	राहु	16/09/2070	गुरु	26/07/2080	शनि	01/09/2098
मंगल	07/04/2037	राहु	18/02/2056	गुरु	22/12/2072	शनि	04/09/2081	बुध	24/11/2098
राहु	01/09/2039	गुरु	01/09/2058	शनि	01/09/2075	बुध	01/09/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।